

युवाओं के लिए परामर्श

अपनी जवानी के दिनों में अपने सृष्टिकर्ता को स्मरण रख, जब तक कि बुरे दिन न आएँ, और ऐसे वर्ष निकट न आएँ, जब तू कहे, मेरा उनसे कोई आनंद नहीं। **सभोपदेशक 12:1**

...क्योंकि मनुष्य के मन की कल्पना उसकी जवानी से बुरी होती है.... **उत्पत्ति 8:21**

अपने पिता और अपनी माता का आदर करना, जिस से जो देश तेरा परमेश्वर यहोवा तुझे देता है उस में तू लंबे समय तक रहे। **निर्गमन 20:12**

यदि वे उसकी आज्ञा मानें और उसकी सेवा करें, तो वे अपने दिन समृद्धि में और अपने वर्ष सुख-विलास में बिताएंगे। परन्तु यदि वे न मानें, तो तलवार से नाश हो जाएंगे, और बिना ज्ञान के मर जाएंगे। परन्तु कपटी मन वाले क्रोध बटोरते हैं; जब वह उन्हें बांधता है, तब वे रोते नहीं। वे जवानी में मर जाते हैं, और उनका जीवन अशुद्ध लोगों के बीच होता है। **अय्यूब 36:11-14**

क्योंकि हे प्रभु यहोवा, तू ही मेरी आशा है, तेरे ही द्वारा मैं गर्भ से संभाला गया हूँ; तू ही वह है जिसने मुझे मेरी माँ के पेट से निकाला: मैं हमेशा तेरी ही तारीफ करूँगा। **भजन 71:5-6**

जवान आदमी अपना रास्ता कैसे साफ करेगा? तेरे वचन के अनुसार ध्यान देकर। **भजन 119:9**

हे मेरे पुत्र, यहोवा की ताड़ना को तुच्छ न जान, और उसकी ताड़ना से न घबरा; क्योंकि यहोवा जिस से प्रेम करता है, उसे ताड़ना देता है; जैसे कि पिता उस पुत्र को जिसे वह अधिक चाहता है। **नीतिवचन 3:11-12**

सुलैमान की नीतिवचन। बुद्धिमान पुत्र पिता को आनन्दित करता है: परन्तु मूर्ख पुत्र माता के लिए दुख का कारण होता है। **नीतिवचन 10:1**

अपने जन्माने वाले पिता की सुन, और जब तेरी माता बूढ़ी हो जाए, तो उसे तुच्छ न जान। **नीतिवचन 23:22**

हे जवान, अपनी जवानी में आनन्द कर; और अपनी जवानी के दिनों में तेरा मन आनन्दित रहे, और अपने मन के मार्गों पर और अपनी आंखों के साम्हने चले; परन्तु यह जान रख कि इन सब बातों के कारण परमेश्वर तेरा न्याय करेगा। इसलिये अपने मन से शोक दूर कर, और अपनी देह से बुराई को दूर कर, क्योंकि बचपन और जवानी व्यर्थ हैं। **सभोपदेशक 11:9-10**

क्या तू नहीं जानता? क्या तुमने नहीं सुना कि हमेशा रहने वाला परमेश्वर, यहोवा, जो धरती के कोने-कोने का बनाने वाला है, कभी थकता नहीं, न थकता है? उसकी समझ की कोई जाँच नहीं है। वह कमजोर को ताकत देता है; और जिनमें ताकत नहीं है, उन्हें वह ताकत देता है। जवान भी कमजोर और थके हुए होंगे, और जवान पूरी तरह गिर पड़ेंगे; लेकिन जो यहोवा का इंतज़ार करते हैं, वे अपनी ताकत फिर से पा लेंगे; वे बाज़ों की तरह पंख फैलाकर उड़ेंगे; वे दौड़ेंगे और थकेंगे नहीं; और वे चलेंगे और थकेंगे नहीं। **यशायाह 40:28-31**

फिर कुछ छोटे बच्चे उसके पास लाए गए, ताकि वह उन पर हाथ रखे और प्रार्थना करे: और चेलों ने उन्हें डांटा। लेकिन यीशु ने कहा, छोटे बच्चों को मेरे पास आने दो, और उन्हें मना मत करो, क्योंकि स्वर्ग का राज्य ऐसों का है। और उसने उन पर हाथ रखे, और वहाँ से चला गया। और देखो, एक ने आकर उससे कहा, हे अच्छे गुरु, मैं कौन सा अच्छा काम करूँ, कि मुझे हमेशा की ज़िंदगी मिले? और उसने उससे कहा, तू मुझे अच्छा क्यों कहता है? कोई अच्छा नहीं है, सिवाय एक के, यानी परमेश्वर: लेकिन अगर तू जीवन में प्रवेश करना चाहता है, तो आज्ञाओं का पालन कर। उसने उससे कहा, कौन सी? यीशु ने कहा, तू हत्या न करना, तू व्यभिचार न करना, तू चोरी न करना, तू झूठी गवाही न देना, अपने पिता और अपनी माता का आदर करना: और, तू अपने पड़ोसी से अपने समान प्रेम रखना। उस जवान ने उससे कहा, ये सब बातें तो मैंने अपनी जवानी से रखी हैं: मुझमें अब और क्या कमी है? यीशु ने उससे कहा, “अगर तू परफेक्ट होना चाहता है, तो जा और जो कुछ तेरा है बेचकर गरीबों को दे दे, और तुझे स्वर्ग में खजाना मिलेगा: और आकर मेरे पीछे हो ले।” लेकिन जब उस जवान आदमी ने यह बात सुनी, तो वह दुखी होकर चला गया: क्योंकि उसके पास बहुत सारा पैसा था। **मैथ्यू 19:13-22**

हे बच्चों, प्रभु में अपने माता-पिता की आज्ञा मानो, क्योंकि यह सही है। अपने माता-पिता का आदर करो (यह पहली आज्ञा है जिसके साथ वादा भी है) ताकि तुम्हारा भला हो, और तुम धरती पर लंबी उम्र जी सको। **इफिसियों 6:1-3**

कोई भी तुम्हारी जवानी को बुरा न समझे; बल्कि बातों में, बातचीत में, प्यार में, आत्मा में, विश्वास में, पवित्रता में विश्वासियों के लिए एक मिसाल बनो। **1 तीमुथियुस 4:12**

जवानी की इच्छाओं से भी दूर भागो, बल्कि उन लोगों के साथ नेकी, विश्वास, प्यार, शांति का पीछा करो जो सच्चे दिल से प्रभु को पुकारते हैं। **2 तीमुथियुस 2:22**

बुद्धि एक सिरे से दूसरे सिरे तक ज़ोरदार तरीके से पहुँचती है: और वह सब चीज़ों को प्यार से व्यवस्थित करती है। मैं उससे प्यार करता था, और अपनी जवानी से ही उसे ढूँढ़ता था, मैं उसे अपना जीवनसाथी बनाना चाहता था, और मैं उसकी सुंदरता का दीवाना था।
सुलैमान की बुद्धि 8:1-2

हे बच्चों, अपने पिता की बात सुनो और उसके बाद वैसा ही करो, ताकि तुम सुरक्षित रहो। क्योंकि प्रभु ने पिता को बच्चों से ज्यादा सम्मान दिया है, और माँ का अधिकार बेटों पर पक्का किया है। जो अपने पिता का सम्मान करता है, वह अपने पापों का प्रायश्चित्त करता है: और जो अपनी माँ का सम्मान करता है, वह खजाना जमा करने वाले जैसा है। जो अपने पिता का सम्मान करता है, उसे अपने बच्चों से खुशी मिलेगी; और जब वह प्रार्थना करेगा, तो उसकी सुनी जाएगी। जो अपने पिता का सम्मान करता है, उसकी उम्र लंबी होगी; और जो प्रभु की बात मानता है, वह अपनी माँ के लिए आराम का कारण होगा। जो प्रभु से डरता है, वह अपने पिता का सम्मान करेगा, और अपने माता-पिता की सेवा अपने मालिकों की तरह करेगा। अपने पिता और माँ का बातों और कामों दोनों में सम्मान करो, ताकि उनसे तुम्हें आशीर्वाद मिले। क्योंकि पिता का आशीर्वाद बच्चों के घरों को मज़बूत करता है; लेकिन माँ का श्राप नींव को उखाड़ देता है। अपने पिता के अपमान पर गर्व मत करो; क्योंकि तुम्हारे पिता का अपमान तुम्हारे लिए कोई गर्व नहीं है। क्योंकि एक आदमी की शान उसके पिता के सम्मान से होती है; और बेइज्जती में माँ बच्चों के लिए बदनामी है। मेरे बेटे, अपने पिता की बुढ़ापे में मदद करो, और जब तक वे ज़िंदा हैं, उन्हें दुखी मत करो। और अगर उनकी समझ कमज़ोर पड़ जाए, तो उनके साथ सब्र रखो; और जब तुम पूरी ताकत में हो, तो उन्हें बुरा मत समझो। क्योंकि तुम्हारे पिता को राहत देना भुलाया नहीं जाएगा: और पापों के बदले तुम्हें बनाने के लिए यह जोड़ा जाएगा। तुम्हारी मुसीबत के दिन यह याद किया जाएगा; तुम्हारे पाप भी पिघल जाएंगे, जैसे अच्छे गर्म मौसम में बर्फ पिघल जाती है। जो अपने पिता को छोड़ देता है वह ईशनिंदा करने वाला है; और जो अपनी माँ को गुस्सा दिलाता है वह भगवान की तरफ से शापित है। **एक्लेसियास्टिकस 3:1-16**

मेरे बेटे, अपनी जवानी से ही सीख इकट्ठा कर: इस तरह तू बुढ़ापे तक समझदारी पाएगा।
एक्लेसियास्टिकस 6:18

अपने पिता का पूरे दिल से आदर कर, और अपनी माँ के दुखों को मत भूल। याद रख कि तू उन्हीं से पैदा हुआ है; और जो कुछ उन्होंने तेरे लिए किया है, उसका बदला तू उन्हें कैसे दे सकता है? **एक्लेसियास्टिकस 7:27-28**

अपने बच्चे को सहला, तो वह तुझे डराएगा; उसके साथ खेल, तो वह तुझे दुखी कर देगा। उसके साथ मत हँस, कहीं ऐसा न हो कि तू उसके साथ दुखी हो, और आखिर में तू अपने दाँत पीस ले। उसे जवानी में कोई आज़ादी न दे, और उसकी बेवकूफ़ियों पर आँख मत मूंद। जब वह जवान हो तो उसकी गर्दन झुका, और जब वह बच्चा हो तो उसकी कमर पर मार, कहीं ऐसा न हो कि वह ज़िद्दी हो जाए, और तेरी बात न माने, और इस तरह तेरे दिल को दुख दे।
सभोपदेशक 30:9-12